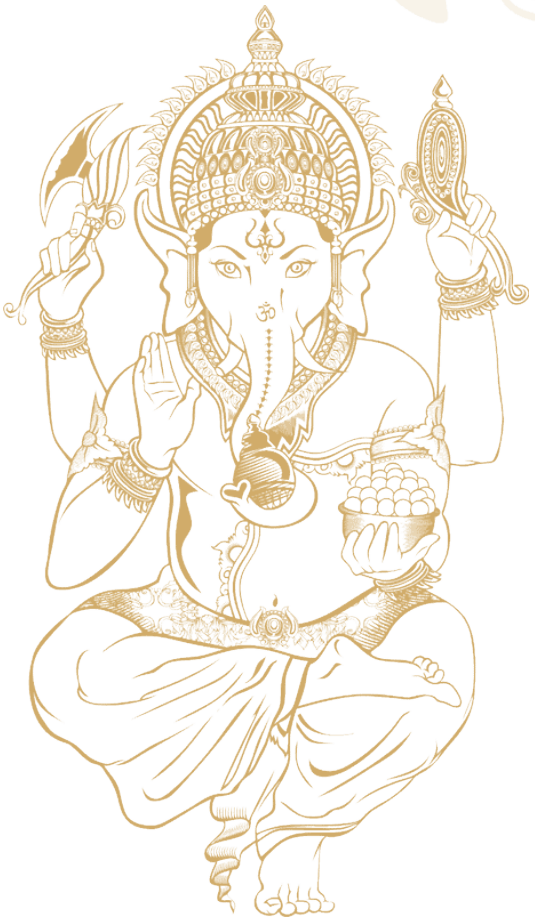

Mr.

29 Oct 1995

03:32 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119117902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/10/1995**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:32:00 घंटे**
इष्ट	52:25:56 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:05:20 घंटे
वेलान्तर	00:16:11 घंटे
साम्पातिक काल	05:32:26 घंटे
सूर्योदय	06:33:37 घंटे
सूर्यास्त	17:47:14 घंटे
दिनमान	11:13:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:12:30 तुला
लग्न के अंश	00:02:41 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:02:41	322:15:18	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			तुला	11:12:30	00:59:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			धनु	15:07:54	14:26:44	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	11:59:14	00:43:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	स्वराशि
बुध			कन्या	25:52:07	01:32:41	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			वृश्चि	21:36:10	00:11:50	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			तुला	29:20:28	01:14:41	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	24:41:17	00:02:25	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	02:40:47	00:00:39	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	02:40:47	00:00:39	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	02:56:17	00:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:07:51	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	05:42:31	00:02:13	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	29:52:23	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:02

लग्न-चलित

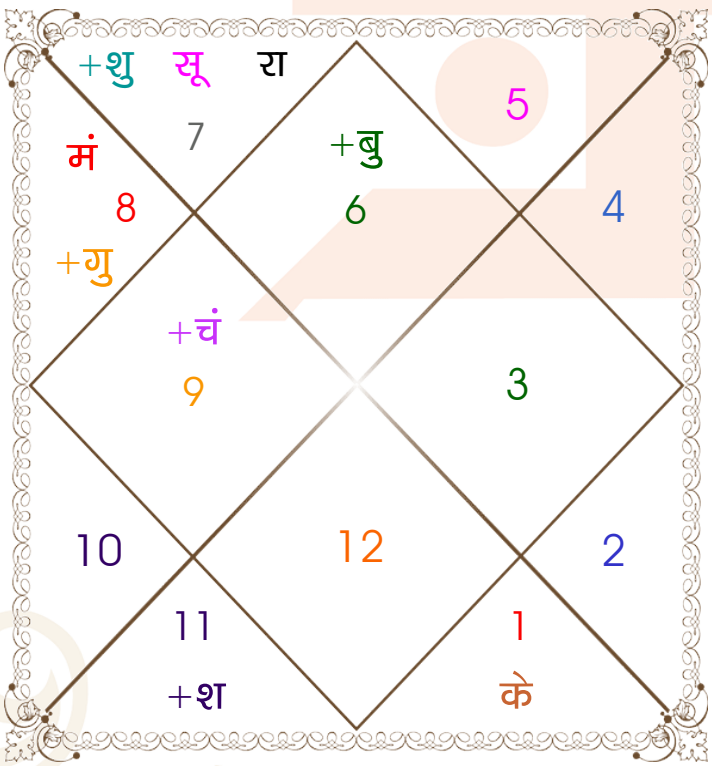

चन्द्र कुंडली

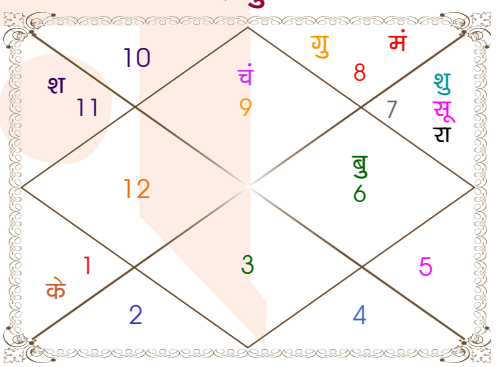

नवमांश कुंडली

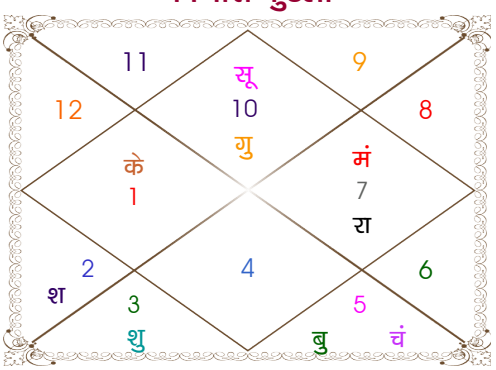

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 3 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/10/1995		15/02/2013		16/02/2019		15/02/2029		16/02/2036	
15/02/2013		16/02/2019		15/02/2029		16/02/2036		16/02/2054	
शुक्र	17/06/1996	सूर्य	05/06/2013	चंद्र	17/12/2019	मंगल	15/07/2029	राहु	29/10/2038
सूर्य	17/06/1997	चंद्र	05/12/2013	मंगल	17/07/2020	राहु	02/08/2030	गुरु	24/03/2041
चंद्र	16/02/1999	मंगल	11/04/2014	राहु	16/01/2022	गुरु	09/07/2031	शनि	29/01/2044
मंगल	17/04/2000	राहु	06/03/2015	गुरु	18/05/2023	शनि	17/08/2032	बुध	17/08/2046
राहु	18/04/2003	गुरु	23/12/2015	शनि	17/12/2024	बुध	14/08/2033	केतु	05/09/2047
गुरु	17/12/2005	शनि	04/12/2016	बुध	18/05/2026	केतु	10/01/2034	शुक्र	05/09/2050
शनि	15/02/2009	बुध	11/10/2017	केतु	17/12/2026	शुक्र	12/03/2035	सूर्य	30/07/2051
बुध	17/12/2011	केतु	16/02/2018	शुक्र	17/08/2028	सूर्य	18/07/2035	चंद्र	28/01/2053
केतु	15/02/2013	शुक्र	16/02/2019	सूर्य	15/02/2029	चंद्र	16/02/2036	मंगल	16/02/2054

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/02/2054		16/02/2070		15/02/2089		17/02/2106		16/02/2113	
16/02/2070		15/02/2089		17/02/2106		16/02/2113		00/00/0000	
गुरु	05/04/2056	शनि	18/02/2073	बुध	15/07/2091	केतु	16/07/2106	शुक्र	30/10/2115
शनि	17/10/2058	बुध	30/10/2075	केतु	11/07/2092	शुक्र	15/09/2107		00/00/0000
बुध	22/01/2061	केतु	07/12/2076	शुक्र	12/05/2095	सूर्य	21/01/2108		00/00/0000
केतु	29/12/2061	शुक्र	07/02/2080	सूर्य	18/03/2096	चंद्र	21/08/2108		00/00/0000
शुक्र	29/08/2064	सूर्य	19/01/2081	चंद्र	17/08/2097	मंगल	17/01/2109		00/00/0000
सूर्य	17/06/2065	चंद्र	20/08/2082	मंगल	14/08/2098	राहु	04/02/2110		00/00/0000
चंद्र	17/10/2066	मंगल	29/09/2083	राहु	04/03/2101	गुरु	11/01/2111		00/00/0000
मंगल	23/09/2067	राहु	05/08/2086	गुरु	10/06/2103	शनि	20/02/2112		00/00/0000
राहु	16/02/2070	गुरु	15/02/2089	शनि	17/02/2106	बुध	16/02/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 3 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।